अग्निहोत्र (AGNIHOTRA)
अग्नि स्थापना (Invocation of Fire)

ॐ अग्निमीळे पुरोहितं यज्ञस्य देवमृत्विजम् ।
होतारं रत्नधातमम् ॥१॥
Om Agnim-Iille Purohitam Yajnyasya Devam-Rtvijam |
Hotaaram Ratna-Dhaatamam ||1||

ॐ महाज्वालाय विद्महे अग्नि मध्याय धीमहि |
तन्नो: अग्नि प्रचोदयात ||
Om Mahajwalay Vidmahe Agni Madhyay Dhimahi |
Tanno Agnih Prachodayat ||

ॐ वैश्ववानराय् विध्महे लालेलाय् धिमहि तन्नो अग्निः प्रचोदयात्
" Om Vaishvanaraya vidhmahe Lalelaya dhimahi
Tano Agnih prachodayat "

व्याहृति मंत्र

भू: स्वाहा, अग्नेय इदम् न मम्।

भुव: स्वाहा: वायवे इदम् न मम्।

स्व: स्वाहा, सूर्याय इदम् न मम्।

भू र्भुव: स्वः स्वाहा, प्रजापतये इदम् न मम्।

Vyahruti Mantra

Bhooh Swaha Agnaye *Idam Na Mama*
Bhuwah Swaha Wayaye *Idam Na Mama*
Swah Swaha Sooryaya *Idam Na Mama*
Bhoor Buwah Swah Swaha Prajapataye *Idam Na Mama*

अग्निहोत्र मंत्र (Agnihotra Mantra)

सूर्योदयके समय (At Sunrise)

१. सूर्याय स्वाहा सूर्याय इदम् न मम

२. प्रजापतये स्वाहा प्रजापतये इदम् न मम

1. *Sooryaya swáahá, Sooryáya idam na mama*

2. *Prajápataye swáahá, Prajápataye idam na mama*

सूर्यास्तके समय (At Sunset)

**१.	अग्नये स्वाहा अग्नये इदम् न मम**

**२.	प्रजापतये स्वाहा प्रजापतये इदम् न मम’**

1. *Agnaye swaáhá, Agnaye idam na mama*

2. *Prajápataye swaáhá, Prajápataye idam na mama*

महामृत्युंजय मन्त्रः

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्

उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

Om Try-Ambakam Yajaamahe Sugandhim Pusstti-Vardhanam

Urvaarukam-Iva Bandhanaan Mrtyor-Mukssiiya Maa-[A]mrtaat ||

गायत्री मंत्र (Gyatri Mantra)

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं ।

भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

Om Bhur Bhuvaḥ Swaḥ Tat-savitur Vareñyaṃ Bhargo Devasya

Dhīmahi Dhiyo Yonaḥ Prachodayāt